

सीएसआईआर-सीरी में वैक्यूम इलेक्ट्रॉन युक्तियों एवं अनुप्रयोगों में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन 'वेदा-2024' का आयोजन

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी द्वारा 18-20 नवंबर 2024 के दौरान वैक्यूम इलेक्ट्रॉन उपकरणों एवं अनुप्रयोगों में उभरते रुझानों पर एक राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन (VEDA-2024) का आयोजन किया गया। सोसाइटी ऑफ अप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च (समीर) के महानिदेशक डॉ. पी. हनुमंत राव उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि तथा वेदा सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. एस. के. दत्ता, विशिष्ट वैज्ञानिक, डीआरडीओ-एमटीआरडीसी विशिष्ट अतिथि थे। वैक्यूम इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज एंड एप्लिकेशंस सोसाइटी (VEDAS), बेंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किए गए राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में 80 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए जिसमें अनुसंधान एवं विकास (R&D) और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ-साथ शिक्षाविद भी सम्मिलित थे।



दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि डॉ पी हनुमंत राव, महानिदेशक, समीर

राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन (VEDA-2024) का औपचारिक शुभारंभ/उद्घाटन दिनांक 19 नवंबर, 2024 को परंपरागत रूप से अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. पी. हनुमंत राव, महानिदेशक, सोसाइटी ऑफ अप्लाइड माइक्रोवेव

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च (समीर) ने कहा कि वेदा (VEDA) माइक्रोवेव ट्यूबों के सक्रिय और नवीन अनुसंधान के लिए एक अग्रणी एवं प्रभावशाली मंच बन गया है, जो वैक्यूम इलेक्ट्रॉन उपकरणों और उनके अनुप्रयोगों में सैद्धांतिक और तकनीकी विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।



वेदा-2024 के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथीय संबोधन देते हुए डॉ पी हनुमंत राव, महानिदेशक, समीर



स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया तथा संस्थान में वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अन्य क्षेत्रों में किए जा रहे प्रमुख शोध कार्यों से अवगत कराया।



उद्घाटन सत्र के दौरान सभागार में उपस्थित अतिथिगण, प्रतिभागी एवं संस्थान के कार्मिक



उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि डॉ एस के दत्ता, मुख्य वैज्ञानिक, डीआरडीओ-एमटीआरडीसी

विशिष्ट अतिथि एवं वेदा सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. एस. के. दत्ता ने इस अवसर पर अपने संबोधन में निर्वात इलेक्ट्रॉनिकी के महत्व पर प्रकाश डाला।



अतिथियों को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. पी. सी. पंचारिया ने मुख्य अतिथि डॉ हनुमंत राव एवं विशिष्ट अतिथि डॉ एस के दत्ता को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।



वेदा-2024 की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सम्मेलन के संयोजक डॉ एस के घोष, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एस. के. घोष, मुख्य वैज्ञानिक ने विज्ञान सम्मेलन वेदा-2024 की रूपरेखा से अवगत कराया। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ विषांत, प्रधान वैज्ञानिक ने किया।



कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ विषांत, प्रधान वैज्ञानिक

वेदा पुरस्कार एवं सम्मान

उद्घाटन सत्र के दौरान निर्वात इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित करने एवं विशिष्ट योगदान देने के लिए वैज्ञानिकों को विभिन्न पुरस्कारों/सम्मानों से अलंकृत किया गया। विवरण निम्नवत है :

क) वेदा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2024

1. डॉ. ललित कुमार, पूर्व निदेशक, डीआरडीओ-एमटीआरडीसी, बेंगलुरु
2. श्री आर के गुप्ता, पूर्व मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी



वेदा लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड 2024 प्राप्त करते हुए
डॉ ललित कुमार एवं श्री आर के गुप्ता



वेदा मिड कैरियर अवार्ड प्राप्त करने के उपरांत अधिकारियों साथ
डॉ मनपूर्णा महतो एवं डॉ साकेत खांडेकर

ख) वेदा मिड कैरियर अवार्ड

1. डॉ. मनपूर्णा महतो, सहायक प्रोफेसर, एनआईटी-पटना
2. श्री साकेत खांडेकर, वैज्ञानिक-एफ, डीआरडीओ-एमटीआरडीसी



डॉ हनुमंत राव एवं श्री अरविंद सिंह (पुत्र डॉ अमरजीत सिंह) से
पद्मभूषण डॉ अमरजीत सिंह युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त करते हुए
डॉ. गौरव सिंह बघेल

ग) पद्मभूषण डॉ अमरजीत सिंह युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

1. डॉ. गौरव सिंह बघेल, सहायक प्रोफेसर, एनआईटी-सिलचर



वेदा-2024 की स्मारिका (विवरणिका) का विमोचन करते हुए
निदेशक, सीएसआईआर-सीरी एवं मंचस्थ अतिथिगण

स्मारिका/विवरणिका विमोचन

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन 'वेदा 2024' की स्मारिका/विवरणिका का विमोचन भी किया गया।



समझौता ज्ञापन के दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए
डॉ पी सी पंचारिया एवं डॉ एस के दत्ता

एमओयू

इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी और सोसाइटी ऑफ अप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च (समीर) के बीच 'डेवलपमेन्ट ऑफ कैथोड सपोर्ट - हीटर असेम्बली फॉर 8 किलोवॉट एस-बैंड सतत तरंग मैग्नेटॉन परियोजना के अंतर्गत माइक्रोवेव युक्तियों एवं प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी शोध एवं विकास सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया।



प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए
डॉ एस के दत्ता एवं डॉ पी सी पंचारिया

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी

वेदा 2024 के प्रायोजकों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों द्वारा अपने उत्पादों के प्रचार के लिए संस्थान परिसर में प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि डॉ एस के दत्ता, मुख्य वैज्ञानिक, डीआरडीओ- एमटीआरडीसी एवं डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने किया। आगंतुकों एवं प्रतिभागियों ने प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उत्पादों/प्रौद्योगिकियों की जानकारी प्राप्त की।



प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अधिकारीगण एवं अतिथि

तकनीकी सत्र विवरण

सम्मेलन के पहले दिन (दिनांक 18.11.2024) का कार्यक्रम एक दिवसीय ट्यूटोरियल के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें वैक्यूम इलेक्ट्रॉन उपकरणों, प्रणालियों और अनुप्रयोगों के वर्तमान और भविष्य के रुझानों पर चर्चा की गई। इसके बाद अगले दो दिनों (दिनांक 19 एवं 20 नवंबर, 2024) के तकनीकी सत्रों में निर्वात इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा, आमंत्रित व्याख्यान तथा शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण

हुआ। इस सम्मेलन में माइक्रोवेव ट्यूब क्षेत्र के दो महान व्यक्तित्वों, स्व. डॉ. अमरजीत सिंह और स्व. डॉ. एस. एन. जोशी, की स्मृति में एक विशेष प्लेनरी सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रोफेसर बी एन बसु, प्रोफेसर चंद्रशेखर, डॉ ललित कुमार एवं प्रोफेसर एस. राघवन द्वारा प्लेनरी व्याख्यान दिए गए।



तकनीकी सत्रों में प्रस्तुतीकरण/व्याख्यान देते हुए प्रतिभागी एवं आमंत्रित अतिथिगण

इस प्रकार तीन-दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन 'वेदा 2024' के दौरान, एक की-नोट व्याख्यान, 8 ट्यूटोरियल सत्र, 4 आमंत्रित व्याख्यान, 4 प्लेनरी व्याख्यान और 75 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। प्रस्तुतियों और व्याख्यानों में माइक्रोवेव घटकों और युक्तियों/उपकरणों से लेकर प्रणालियों और अनुप्रयोगों तक की एक विस्तृत शृंखला को कवर किया गया। प्रतिभागी वक्ताओं को उनके प्रस्तुतीकरण के उपरांत वेदा स्मृति चिह्न एवं प्रमाणपत्र भेंट किए गए।



तकनीकी सत्रों के दौरान सभागार/सम्मेलन कक्ष/विज्ञान दीर्घा में उपस्थित प्रतिभागी एवं अतिथिगण



समापन एवं परिचर्चा सत्र के कुछ दृश्य

अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. एस. के. घोष, मुख्य वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए माइक्रोवेव ट्यूब अनुसंधान और विकास में सीएसआईआर-सीरी के योगदान और महत्व पर प्रकाश डाला और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), सोसाइटी ऑफ अप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च (समीर), प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (आईपीआर) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (बीईएल) के साथ सहयोग की

आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सम्मेलन के सभी औद्योगिक प्रायोजकों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। साथ ही, विभिन्न प्रयोगशालाओं और उद्योगों से आए प्रतिभागियों को उनके शोधपत्र प्रस्तुतीकरण और गहन चर्चाओं के लिए धन्यवाद दिया।

तकनीकी सत्रों का संचालन संस्थान के शोधार्थी छात्रों/छात्राओं ने तथा समापन सत्र का संचालन डॉ आशीष कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।



समापन सत्र का संचालन करते हुए
डॉ आशीष कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में आयोजित किए गए राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन का उद्देश्य इस क्षेत्र के शोधकर्ताओं और उद्यमियों के लिए नेटवर्किंग का एक मंच प्रदान करना था। इसके साथ ही वेदा-2024 सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य शोध एवं विकास के साथ-साथ शिक्षा और उद्योग जगत में नवीनतम विकास और नए शोध विचारों को आगे बढ़ाना है। यह सम्मेलन माइक्रोवेव उपकरणों के क्षेत्र में दीर्घकालिक साझेदारी स्थापित करने और नए तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगा।
